दिनांक : 11.03.2018

आज दिनांक 11 मार्च, 2018 को महाराज सयाजीराव गायकवाड़ के जन्म दिवस को डॉ. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर **''सयाजीराव गायकवाड़ एवं भीमराव अम्बेडकर : भारत में पुस्तकालय की विकासयात्रा''** विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन भी किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीरज त्रिपाठी, कुलसचिव एवं कार्यकारी कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने कहा कि भारत में पुस्तकालयों की स्थापना में महाराज सयाजीराव गायकवाड़ का योगदान अद्वितीय एवं बहुमूल्य है। गरीब तबका जो पुस्तकों के अभाव में पढ़ने–लिखने में असमर्थ था, उसे पुस्तकालयों के माध्यम से समाज का अभिन्न अंग बनाया। इनमें से हम डॉ. भीमराव अम्बेडकर को देखते हैं। गायकवाड़ जी यदि अम्बेडकर को आर्थिक मदद नहीं करते, तो शायद आज अम्बेडकर को वो मुकाम हासिल नहीं हो पाता। सयाजीराव गायकवाड़ ने ही डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर को बाबा साहेब भीमराव रामजी अम्बेडकर बनाया।

डॉ. नीरज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सयाजीराव गायकवाड़ ने भारत में पुस्तकालयों की स्थापना में आर्थिक मदद करके भारत को शिक्षा के क्षेत्र में शिखर तक पहुँचाया। आज गरीब से गरीब छात्र भी पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी शिक्षा को पूर्ण कर रहा है।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय सम्बोधन के रूप में अम्बेडकर चेयर के चेयर प्रोफेसर, डॉ. मंजीत चतुर्वेदी ने कहा कि सयाजीराव गायकवाड़ पहले ऐसे शासक थे, जिन्होंने दलितों के शिक्षा एवं उत्थान के लिए सार्थक पहल किया और सामाजिक सुधारों को अपने प्रमुख कार्यों में शामिल किया। बाल–विवाह पर प्रतिबन्ध, शिक्षा का प्रसार आदि को भी प्रोत्साहन दिया। उनकी समृद्ध पुस्तकालय बड़ौदा के केन्द्रीय पुस्तकालय के रूप में केन्द्र बना हुआ है। सयाजीराव गायकवाड़ ने शहरों से लेकर कस्बों एवं गांवों तक पुस्तकालयों का जाल फैलाया।

कार्यक्रम के अंतर्गत श्री प्रेमशंकर द्वारा लिखित **''महामना के चिन्तन व विचार''** विषयक पुस्तक का विमोचन माननीय डॉ. नीरज त्रिपाठी, कुलसचिव एवं कार्यकारी कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अम्बेडकर चेयर के चेयर प्रोफेसर डॉ. मंजीत चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सयाजीराव गायकवाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के डॉ. संजीव सर्राफ द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय असि. प्रोफेसर एवं अम्बेडकर चेयर के सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. विमल कुमार लहरी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के कुछ छायाचित्र :

BHU capital of knowledge
VARANASI-221005 (INDIA)
ambedkarchair@bhu.ac.in
manjeetchaturvedi@gmail.com
Cell: +91-9839911265

VARANASI-221005 (INDIA)
ambedkarchair@bhu.ac.in
manjeetchaturvedi@gmail.com
Cell: +91-9839911265

VARANASI-221005 (INDIA)
ambedkarchair@bhu.ac.in
manjeetchaturvedi@gmail.com
Cell: +91-9839911265

VARANASI-221005 (INDIA)
ambedkarchair@bhu.ac.in
manjeetchaturvedi@gmail.com
Cell: +91-9839911265

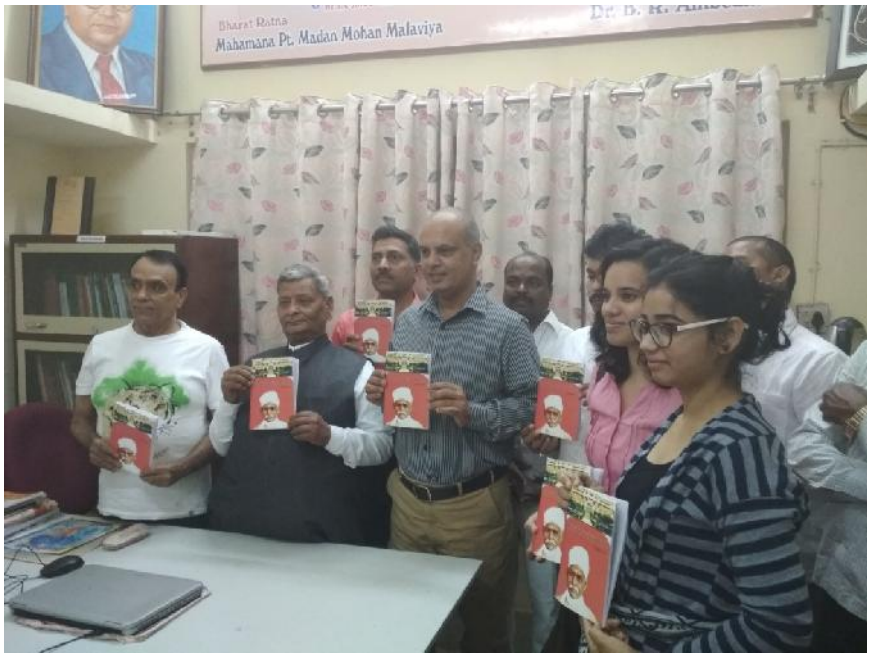

VARANASI-221005 (INDIA)
ambedkarchair@bhu.ac.in
manjeetchaturvedi@gmail.com
Cell: +91-9839911265

त की। | हिन्दुस्तान वाराणसी • सोमवार • 12 मार्च 2018 10

प्रेमशंकर की पुस्तक 'महामना के चिंतन व विचार' का विमोचन करते मुख्य अतिथि बीएचयू के कुलसचिव एवं कार्यकारी कुलपति डॉ. नीरज त्रिपाठी व अन्य।

बीएचयू में सयाजीराव गायकवाड़ की मनी जयंती

सयाजीराव ने बिछाया पुस्तकालयों का जाल

व्याख्यान

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय के डॉ.अम्बेडकर चेयर की ओर से रविवार को महाराज सयाजीराव गायकवाड़ की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर 'सयाजीराव गायकवाड़ एवं भीमराव अम्बेडकरः भारत में पुस्तकालय की स्थिति' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। पुस्तकालयों के विस्तार में उनके योगदान पर चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि के रूप में कुलसचिव एवं कार्यकारी कुलपति डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तकालयों की स्थापना में सयाजीराव गायकवाड़ का योगदान अद्वितीय है। अध्यक्षीय संबोधन में चेयर प्रो. मंजीत चतुर्वेदी ने कहा कि सयाजीराव गायकवाड़ पहले ऐसे शासक थे, जिन्होंने दलितों की शिक्षा एवं उत्थान के लिए सार्थक पहल की। उन्होंने शहरों से कस्बों एवं गावों तक पुस्तकालयों का जाल बिछाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने प्रेमशंकर की पुस्तक 'महामना के चिंतन व विचार' का विमोचन किया। संचालन सयाजीराव गायकवाड़ केंद्रीय पुस्तकालय (बीएचयू) के डॉ.संजीव सराफ ने और धन्यवाद डॉ. समाजशास्त्र विभाग के डॉ. विमल कुमार लहरी ने किया।

गायकवाड़ के राज्य में 97% थी साक्षरता

वाराणसी। भारत में पब्लिक पुस्तकालय के जनक सयाजीराव गायकवाड़ की 156वीं जयंती रविवार को बीएचयू के सयाजीराव गायकवाड़ केंद्रीय ग्रंथालय परिसर में मनाई गई। जयंती के अवसर पर वर्तमान परिदृश्य में पुस्तकालय की भूमिका और सयाजीराव गायकवाड़ के योगदान पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें रामायण पटेल ने कहा कि जब भारत परतन्त्र था, उस समय सयाजीराव गायकवाड़ के राज्य में 97 प्रतिशत से अधिक साक्षरता दर थी।

बताया कि वह स्वयं वर्ष में तीन महीने विदेशों में जाकर शिक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते थे और अपने यहां अमल में लाते थे। स्कॉलरशिप की व्यवस्था के साथ-साथ रोजगार की व्यवस्था अपने राज्य में की। डॉ. भीमराव अम्बेडकर को फेलोशिप देकर विदेश पढ़ने भेजा। अपने यहां नौकरी दी। दीपक राजगुरु ने कहा कि उस समय अपने तथा अन्य क्षेत्रों में 43 पुस्तकालयों का निर्माण कराया। राज्य में सभी के लिए शिक्षा अनिवार्य कर दी। संजय पटेल ने कहा कि लाइब्रेरी के जरिये गरीब बच्चों को भी शिक्षा मिल जाती है। अतुल दुबे, आशीष ठाकुर, अनुराग पटेल, पुनीत गोलू, आशुतोष शर्मा, सनी सिंह, लोकेश आदि ने विचार रखे।

VARANASI-221005 (INDIA)
ambedkarchair@bhu.ac.in
manjeetchaturvedi@gmail.com
Cell: +91-9839911265